मीठे पानी में मोती पालन पर कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

21 से 23 जून 2023

जलकृषि विभाग ,भा कृ अनु प – केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान , मुंबई ने दिनांक 21 से 23 जून, 2023 तक "मीठे पानी के मोती पालन " पर एक कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसडीपी) का संचालन किया, जिसका समन्वयन डॉ. उपासना साहू एवं डॉ. परोमिता बनर्जी सावंत द्वारा किया गया। भारत में मोती के बाज़ार का मुख्य आधार चीन से होने वाला विदेशी निर्यात है। मीठे पानी में मोती पालन भारत में एक नवीनतम तकनीक है, जिसे हमारे किसानों तक प्रसारित करने की आवश्यकता है, जो न केवल उनकी आय में वृद्धि कर सकती है, बल्कि "स्वदेशी मोती" के उत्पादन द्वारा "मेक इन इंडिया" अभियान को सही ठहराने में भी मदद कर सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए, पाठ्यक्रम को आसानी से समझने योग्य और उपयोगकर्ता के अनुकूल तरीके से संरचित किया गया था, जिसमें प्रासंगिक व्याख्यानों के साथ व्यावहारिक अभ्यास पर जोर दिया गया था। कार्यक्रम में विभिन्न पृष्ठभूमि (डॉक्टर, उद्यमी, सेवानिवृत्त शिक्षक और छात्र) से कुल 12 प्रतिभागियों (3 महिलाएं और 9 पुरुष) को प्रशिक्षित किया गया। कवर किए गए विषय मोती संवर्धन के पीछे के विज्ञान, मोती पैदा करने वाले मसल्स की आकृति विज्ञान और शारीरिक रचना, ग्राफ्ट और प्रत्यारोपण की तैयारी, नाभिक और छवियों की तैयारी, मोती संवर्धन के दौरान रोकथाम और स्वास्थ्य की देखभाल, शैवाल की इनडोर और आउटडोर पालन , सर्जिकल उपकरणों की पहचान से संबंधित हैं। मोती पालन में पानी की गुणवत्ता के रखरखाव, तालाब की तैयारी और प्रत्यारोपित मसल्स के पालन के लिए बैंक योग्य परियोजनाओं का निर्माण। पूर्व-मूल्यांकन और मूल्यांकन के बाद 85-90% सकारात्मक प्रतिक्रिया के साथ प्रतिभागियों के ज्ञान में 80% की वृद्धि देखी गई। प्रतिभागी इंटीग्रेटेड मल्टीट्रॉफिक एक्वाकल्चर सिस्टम जैसी अन्य गहन जलीय कृषि प्रथाओं के साथ मोती संवर्धन तकनीकों में अपने कौशल को उन्नत करने के इच्छुक थे, जिसने भविष्य के कार्यक्रमों में लिए जाने वाले एक महत्वपूर्ण फीडबैक का काम किया।

Demonstration to the participants

Hands-on practical by participants

Group photo of participants

Certificate distribution in valedictory function